सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 290 | जौनपुर, बुधवार, 17 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

डोडा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़, सेना के 4 जवान शहीद

जम्मू–कश्मीर, एजेसी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू–कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों ने सोमवार देर शाम देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरबागी में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि कुछ देर की गोलीबारी के बाद आतंक वादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन एक अधिकारी के नेतृत्व में बहादुर जवानों ने दुर्गम इलाके और घने जंगल के बावजूद उनका पीछा किया, जिसके बाद रात करीब नौ बजे जंगल में फिर से गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में पांच जवान गंभीर रूप से घायल हो गए और अधिकारी समेत चार जवानों ने बाद में दम तोड़ दिया।

शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था अग्रिम आदेश तक के लिए स्थगित

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों का डिजिटल अटेंडेंस लगाने संबंधित निर्णय अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ हुई शिक्षक संगठनों की बीतचीत के बाद लिया गया है। वहीं,शिक्षकों की समस्याओं व सुझावों को सुनने व समाधान के लिए एक विशेषज्ञ समिति भी गठित की जाएगी। जो सभी आयामों पर विचार कर इसमें सुधार के लिए अपने सुझाव देगी। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा पिछले दिनों यह आदेश जारी किया गया कि आठ जुलाई से परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस लगेगी। इसके साथ ही स्कूलों के एक दर्जन रजिस्टर भी डिजिटल अपडेट होंगे। शिक्षकों ने इस निर्णय का विरोध किया और आठ जुलाई से पूरे प्रदेश में धरना–प्रदर्शन, विरोध शुरू कर दिया। सोमवार को भी शिक्षकों ने पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालय व बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया था। दूसरी तरफ महानिदेशक स्कूल शिक्षा से वार्ता स्थगित होने के बाद मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शिक्षक संगठनों को वार्ता के लिए लोक भवन में बुलाया। इसमें उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्य, उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष अपूर्व दीक्षित आदि शामिल हुए। वार्ता में शिक्षकों ने व्यवहारिक दिक्कतों के साथ 31 ईएल, हाफडे, मेडिकल सुविधा, पांच दिन लेट लाने पर अनुपस्थित न माने जाने, शिक्षक से डाटा इंट्री का काम न लेने, विभागीय कार्यालयों में डिजिटल अटेंडेंस लागू करने की मांग उठाई।

बिजली कटौती की समस्या पर लोगों का हंगामा, ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा के आदेश पर तीन अधिकारी सस्पेंड

लखनऊ, संवाददाता। भीषण गर्मी के बीच राजधानी लखनऊ में बिजली की कटौती और लो वोल्टेज की समस्या ने लोगों की परेशानी को कई गुना बढ़ा दिया है। बिजली कटौती को लेकर शुक्रवार रात को

लखनऊ– रायबरेली हाईवे पर लोगों ने हंगामा किया। जिसके बाद ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बिजली विभाग के अधिकारियों पर बड़ा ऐक्शन लिया है। ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर लखनऊ विद्युत विभाग के 3 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में खंड दो के ग्म्छ यादवेंद्र कुमार, संतोष कुमार पाठक और मुकुल यादव शामिल हैं। दरअसल आक्रोशित भीड़ ने प्रदर्शन करने के बाद मेयर सुष्मा खर्कवाल के घर पर शिकायत करने पहुंच गयी। लखनऊ वासियों का कहना है कि कई दिनों से हो रही बिजली कटौती और लो वोस्टेज की समस्या से तंग आ गये हैं। शाम से ही बिजली कटौती और लो वोस्टेज की समस्या शुरू हो जाती है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि लखनऊ का तापमान 44 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा है। इस वजह से बिजली का लोड बढ़ रहा है। प्रदेश में सबसे ज्यादा बिजली का खपत लखनऊ में हो रही है। इससे कई इलाकों में ट्रिपिंग और ट्रांसफार्मर और केबल जलने की समस्या आ रही है। तेज धूप और उमस से परेशान लोग लगातार सोशल मीडिया पर बिजली विभाग से मदद की गुहार लगा रहे हैं। बिजली कटौती के कारण लोगों का दिनचर्या काफी प्रभावित हो रहा है।

लोगों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। बीते एक माह से अपने सपनों के घर को तोड़े जाने की भ्रामक खबरों से परेशान पंतनगर, इंद्रप्रस्थनगर एवं रहीमनगर आदि क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं का समाधान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे प्रभावित परिवारों के भय और भ्रम का समाधान करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पंतनगर हो या इंद्रप्रस्थनगर, वहां निवासरत लोगों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। संबंधित प्रकरण में एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है। फ्लड प्लेन जोन में निजी भूमि भी सम्मिलित है। लेकिन, निजी भूमि को खाली कराने की ना तो वर्तमान में कोई आवश्यकता है और ना ही कोई प्रस्ताव है। निजी भूमियों

में बने निजी भवनों के ध्वस्तीकरण का कोई विषय विचाराधीन नहीं है। उन्होंने कहा कि फ्लड प्लेन जोन चिन्हांकन के दौरान भवन निर्माणों पर लगाए गए संकेतों से आम जन में भय और भ्रम फैला है, इसका कोई औचित्य नहीं था और इसके लिए जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने उक्त क्षेत्र में साफ –सफाई व जनसुविधाओं के विकास के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तत्काल क्षेत्र में विजिट करें, लोगों से मिलें। उनका भय और भ्रम दूर किया जाए। प्रभावित परिवारों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रिवर बेड विकसित करने में यदि कोई निजी भूमि पर बना भवन निर्माण आता है, जिसका प्रमाणित स्वामित्व किसी निजी व्यक्ति का है, उसे नियमानुसार समुचित मुआवजा देकर ही अधिग्रहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद परिवारों ने उनके प्रति आभार जताया और योगी हैं तो यकीन है के नारे भी लगाए। बता दें कि कुकरैल नदी को प्रदूषण मुक्त एवं पुनर्जीवित करने के संबंध में सिंचाई विभाग द्वारा विगत दिनों एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा - सीएम एकनाथ शिंदें

नई दिल्ली, एजेंसी। एकनाथ शिंदे ने बुजुर्गों को देश के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों की मुफ्त तीर्थयात्रा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना लागू करने की घोषणा हाल ही में की है। तद्नुसार, सरकार ने रविवार को इस योजना का निर्णय लिया है। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में सभी धर्मों के 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में बुजुर्गों के लिए देश के महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों की मुफ्त तीर्थयात्रा के लिए श्मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाश लागू करने की घोषणा की है. इस योजना में भारत में कुल 73 और महाराष्ट्र राज्य में 66 तीर्थस्थलों को शामिल किया गया है। देश और राज्य के लगभग सभी महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत राज्य के सभी धर्मों के वरिष्ठ नागरिकों को भारत के तीर्थ स्थलों की मुफ्त यात्रा करने का अवसर मिलेगा ताकि वे मन की शांति प्राप्त कर सकें और देश में

प्रमुख तीर्थयात्राओं पर जाकर आध्यात्मिक स्तर तक पहुंच सकें। इस योजना के तहत राज्य और देश के प्रमुख तीर्थस्थलों को कवर किया जाएगा और इस योजना के तहत निर्दिष्ट तीर्थ स्थलों में से किसी एक की तीर्थयात्रा के लिए पात्र व्यक्ति को इस योजना का एकमुश्त लाभ मिलेगा, जिसमें यात्रा खर्च के लिए प्रति व्यक्ति अधिकतम 30,000 रुपये की सीमा होगी। इसमें आवास, भोजन और परिवहन शामिल हैं। लाभार्थी की वार्षिक आय 2 लाख 50 हजार होनी चाहिए। लाभार्थी महाराष्ट्र राज्य का निवासी और 60 वर्ष से अधिक आयु का वरिष्ठ नागरिक होना चाहिए। चार धाम यात्रा, माता वैष्णवी यात्रा, अमरनाथ यात्रा देश के अन्य धर्मों की प्रमुख तीर्थयात्राओं में से हैं। जहाँ अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों का जीवन में एक बार जाने का सपना होता है, वहाँ एक पवित्र कार्य के रूप में तीर्थयात्रा पर जाने की एक अव्यक्त इच्छा होती है, लेकिन कई वरिष्ठ नागरिकों का तीर्थयात्रा पर जाने का सपना उनकी आर्थिक स्थिती के कारण पूरा नहीं होता है, साथ ही किसी के साथ नहीं होना और पर्याप्त जानकारी नहीं होना। सरकार ने इस सपने को पूरा करने के लिए पहल की है। राज्य सरकार राज्य के गरीब और वंचित समाज के सपनों को पूरा करने का प्रयास कर रही है, निश्चित रूप से राज्य के बुजुर्गों का आशीर्वाद सरकार को अधिक ऊर्जा और प्रेरणा देगी। इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

मड़ियाहूं के संकुल शिक्षकों ने दिया सामूहिक त्यागपत्र

जौनपुर ब्यूरो चीफ

मड़ियाहूं, जौनपुर। मड़ियाहूं विकास खण्ड के सभी 60 संकुल शिक्षकों ने मंगलवार दिनांक 16–07–2024 ई.को बीआरसी पर पहुँच कर संकुल पद से सामूहिक त्यागपत्र दे दिया।शिक्षक संकुलो का कहना है कि उन्होंने यह त्यागपत्र बेसिक शिक्षको के आनलाइन उपस्थिति न करायेजाने के साथ ही उनकी अन्य जायज मांगो के समर्थन मे दिया है। त्यागपत्र देने वालो में आनन्द यादव,संतोष कुमार सिंह,नन्दलाल यादव, शिव कुमार, अरुण कुमार सिंह, निहाल सिंह, श्याम नारायण,वेद प्रकाश, राम आसरे, रविशंकर, रामसजन, हंसराज, कैलाश नाथ, यादवेन्द्रनाथ, शिराज, राघवेंद्र, शिल्पा, सरिता, ओबैदुर रहमान, सुरेश कुमार, सत्य प्रकाश, विन्ध्वासिनी, विष्णु कुमार, अमित, सचिन्दे सहित कुल 60 संकुल शिक्षक शामिल रहे। इस मौके पर अध्यक्ष मड़ियाहूं श्री रामप्रसाद यादव,श्री रायसाहब यादव, अनिलदीप चौधरी,दीपक सिंह, अच्छेलाल यादव आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

जातिवाद और भ्रष्टाचार के सिवाय कांग्रेस ने कुछ नहीं दिया - अमित शाह

हरियाणा, एजेंसी। इसका बड़ा कारण ये है कि आने वाले महीनों में यहां विधानसभा के चुनाव होने हैं। यही कारण है कि लोकसभा

चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद सत्तारूढ़ भाजपा राज्य में अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गई है। इसी कड़ी में आग दिग्गज भाजपा नेता तथा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ में पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने भाजपा सरकार के कामकाज को गिनवाया और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन के शुरूआत में साह ने कहा कि हरियाणा के पिछड़ा वर्ग ने हमेशा भाजपा को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा का कर्तव्य बनता है कि जितना आपने किया है, उससे ज्यादा कार्य करके हम आपके पास आएं। शाह ने कहा कि नायब सिंह जी की कैबिनेट ने तीन निर्णय लिए हैं –क्रीमी लेयर की लेयर की सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख कर दी गई है। इन 8 लाख में तनख्वाह और कृषि की आय भी नहीं गिनी जाएगी। अब हर बच्चे को व्ठब् का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब तक पंचायतों में जो रिजर्वेशन था, उसको भी बदलने का फैसला लिया गया है। पंचायतों में अब तक 8% रिजर्वेशन ग्रुप ए के लिए था, उसके साथ 5ः रिजर्वेशन ग्रुप ठ के लिए भी आज से शुरू हो जाएगा। इससे हरियाणा की जनता के एक बहुत बड़े हिस्से को आरक्षण का फायदा मिलेगा। इसके साथ ही शाह ने कहा कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में 8 प्रतिशत आरक्षण जस का तस रहेगा और ग्रुप बी को 5ः आरक्षण ज्यादा मिलेगा। ये तीनों निर्णय प्रधानमंत्री मोदी जी की नीतियों को लागू करने वाले हैं। भाजपा नेता ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद पूरे देश को कहा था कि मेरी ये सरकार दलितों, गरीबों और पिछड़ों की सरकार है। देश को पहला सशक्त पिछड़े वर्ग का प्रधानमंत्री देने का काम भाजपा ने किया है। 71 में से 27 मंत्री पिछड़े वर्ग से देकर नरेन्द्र मोदी जी ने हरियाणा और देश के व्ठब् का सम्मान करने का काम किया है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से पिछड़ा वर्ग की विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि 1957 में ओबीसी रिजर्वेशन के लिए काका कालेलकर कमीशन बना, लेकिन कांग्रेस ने सालों तक इसे लागू नहीं किया। 1980 में इंदिरा गांधी जी ने मंडल कमीशन को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 1990 में जब लाया गया, तब राजीव गांधी ने 2 घंटे 43 मिनट तक भाषण करके ओबीसी के रिजर्वेशन का विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता देकर आपको संवैधानिक अधिकार देने का काम मोदी के नेतृत्व में किया।

शिक्षकों व कर्मचारियों को आंदोलन के लिए बाध्य कर रही यूपी सरकार – अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षकों की मांगों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि शिक्षकों और बच्चों के अभिभावकों को जितनी जल्दी ये बात समझ आ जाएगी कि भाजपा सरकार शिक्षक और शिक्षा के खध्लिाफ है और भाजपा की वजह से परिवारवालों के बच्चों का भविष्य अंधकारमय है, उतनी ही जल्दी परिवर्तन के लिए जमीन बननी तैयार हो जाएगी। भाजपा शिक्षकों और कर्मचारियों को विरोध का एक ऐसा आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य न करे जिससे हर क्षेत्र में ठहराव आ जाए। भाजपा अपनी हार का तो विश्लेषण करती है लेकिन शिक्षक और कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति हमेशा बेरुखी का नजरिया अपनाती है।

भाजपा की सरकार एक हृदयहीन सरकार है। जिसमें संवेदना न हो वो सरकार नहीं चाहिए। बता दें कि वर्तमान में शिक्षक विभिन्न मांगों को लेकर सरकार प्रदर्शन कर रहे है।

शिक्षकों ने 8 जुलाई को शुरू की गई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था का विरोध किया। हालांकि, इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देश दिया है कि वो शिक्षकों से बात करें और समस्या का समाधान निकालें।

डबल इंजन की सरकार में राज्यों में होता है तेज विकास – अनुराग

शिमला, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश में तेज विकास होता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने डबल इंजन की सरकार को लेकर बोला, मैं उत्तर प्रदेश का उदाहरण देता हूं। 2017 से पहले केंद्र की कितनी योजनाएं होती थी, चाहे वो यूपीए की सरकार के समय की ही क्यों न हो, अखिलेश यादव जी काम नहीं करते थे। लेकिन जब 2017 के बाद योगी जी की सरकार बनी तो मोदी–योगी की जोड़ी और डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश में जहां एक ओर कानून व्यवस्था को संभाला, निवेश रिकॉर्ड लाए, वहीं उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छूता चला गया। भाजपा नेता ने आगे कहा, ष्मैं हिमंता जी के राज्य असम की बात करता हूं। हमारी कभी वहां पर सरकार नहीं थी, लेकिन असम में और केंद्र में यूपीए की सरकार थी। डॉ. मनमोहन सिंह असम से ही राज्यसभा में थे, लेकिन इसके बावजूद असम की हालत बहुत खराब थी। असम में भी डबल इंजन की सरकार है। बीजेपी के शासन में असम नई ऊंचाइयों को छू रहा है। सेमीकंडक्टर को लेकर कई सौ करोड़ों का निवेश वहां पर आया है। बड़े–बड़े उद्योग वहां पर जा रहे हैं। आखिर ये उद्योग झारखंड में क्यों नहीं जाते, क्योंकि वहां खाने वालों की संख्या ज्यादा और विकास करने, उद्योग लगाने वालों की कम है।

भाजपा की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हमारे जवान

नई दिल्ली, एजेसी। जम्मू–कश्मीर के डोडा में ड्यूटी के दौरान चार सैनिकों की मौत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारत के सैनिक और उनके परिवार भाजपा की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। इसको लेकर राहुल गांधी ने एक एक्स पोस्ट किया है। अपने पेस्ट में राहुल ने लिखा कि आज जम्मू कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए। शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक ऐसी भयानक घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे ये आतंकी हमले जम्मू कश्मीर की जर्जर स्थिति बयान कर रहे हैं। भाजपा

की गलत नीतियों का खामियाजा हमारे जवान और उनके परिवार भुगत रहे हैं। राहुल ने कहा कि हर देशभक्त भारतीय की यह मांग है कि सरकार बार–बार हो रही सुरक्षा चूकों की पूरी जवाबदेही ले कर देश और जवानों के गुनहगारों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से खड़ा है। आपको बता दें कि भारतीय सेना डोडा के जंगलों में तलाशी अभियान चला रही है क्योंकि क्षेत्र में आतंकवादियों की तलाश जारी है। डोडा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक अधिकारी सहित चार भारतीय सेना के जवान शहीद हो गए हैं। भारतीय सेना ने ट्वीट किया, ष्सीओएएस जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और भारतीय सेना के सभी रैंक बहादुर कैप्टन ब्रिजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, डोडा में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। दुख की इस घड़ी में भारतीय सेना शोक संतप्त परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। जम्मू–कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि डोडा जिले में हमारी सेना के जवानों और जेकेपी कर्मियों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है।

आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा – सीएम नीतीश

बिहार, एजेंसी। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की सोमवार रात हुई जघन्य हत्या के कुछ घंटों बाद, मामले की गहन और त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए बिहार की दरभंगा पुलिस द्वारा एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। पुलिस के मुताबिक, जांच प्रक्रिया की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारी फिलहाल घटनास्थल पर डेरा डाले हुए हैं। महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठा करने के लिए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की एक टीम को स्थान पर बुलाया गया है।

संपादकीय

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया

सत्यजित राय से कौन भारतीय सिने–प्रेमी परिचित नहीं है। अधिकांशतः उनके निर्देशक रूप एवं उनकी फिल्मों की चर्चा होती है। उनकी पहली फिल्म 'पथेर पांचाली' ने भारतीय फिल्मों को दुनिया के सिने–मानचित्र पर अंकित कर दिया। शायद यह बहुत कम लोगों को ज्ञात होगा कि उन्होंने तकरीबन अपनी सब फिल्मों का स्क्रीनप्ले लिखा। इतना ही नहीं, अक्सर वे संवाद भी खुद लिखते और सिनेरिओ भी तैयार करते थे। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे उन्होंने कहानियां लिखी, फिल्मों का संगीत बनाया, अपनी और दुनिया के कई अन्य निर्देशकों की फिल्म कला पर लेखन किया। उन्होंने बहुत तरह का लेखन किया मगर यहां उनके स्क्रिप्ट लेखन के विचार को ही लिया गया है। उन्होंने अपनी फिल्म बनाने की प्रक्रिया पर कई स्थानों पर लिखा और कई स्थानों पर उससे संबंधित बात की है। हाल ही में उनके बेटे के द्वारा संपादित एक किताब आई है 'सत्यजित राय मिसलेनी'। इसमें एक खंड खासतौर पर उनके स्क्रेनप्ले लेखन पर है। इसमें वे बताते हैं कि बहुत कम सिने–निर्देशक अपनी स्क्रिप्ट स्वयं लिखते हैं। जो लिखते हैं उनमें से वे बर्गमैन, फेलिनी, एन्टोनिओनी आदि का नाम लेते हैं। उनके अनुसार अधिकतर निर्देशक संवाद लिखने के लिए भी लेखकों को रखते हैं। उनका विचार है, निर्देशक को स्वयं स्क्रिप्ट लिखनी चाहिए। मेरा मानना है कि सबके पास सब तरह की कुशलता नहीं होती है, यदि आवश्यकता हो तो दूसरों से सहायता लेनी चाहिए। सत्यजित राय जबसे फिल्म बनाने लगे अपना सिनेरिओ स्वयं लिखने लगे, बल्कि वे फिल्म बनाने के पहले से स्क्रीनप्ले लिख रहे थे। सबसे पहले उन्होंने रेने क्लैयर की स्क्रिप्ट देखी थी, फिल्म का नाम था, 'द घोस्ट गोज वेस्ट'। यहीं से उन्हें समय काटने केलिए स्क्रीनप्ले लिखने का विचार मिला। यह काम वे समय काटने केलिए और अपने शगल केलिए करने लगे। जिस साहित्यिक कृति पर फिल्म बनाए जाने की घोषणा होती उस पर लेखन करते और जब वह फिल्म देखते तो अपने लिखे से उसकी तुलना करते। यह कार्य उन्हें काफी रचनात्मक लगता परंतु जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'पथेर पांचाली' बनाई तो कोई लिखित स्क्रिप्ट नहीं थी लेकिन सारा कुछ उनके दिमाग में स्पष्ट था। वे कहते हैं सिनेमा रीडिंग केलिए फिल्म देखते हुए अंधेरे में नोट्स लेते रहते थे। वे यह विभिन्न निर्देशकों की खासकर अमेरिकन निर्देशकों जैसे फोर्ड, काप्रा, हुस्टन की फिल्म देखते हुए करते थे।

शुरू में अक्सर स्क्रिप्टराइटिंग के लिए वे घर से दूर कहीं एकांत में चले जाते, पत्नी और बेटे को भी संग न ले जाते। वे किसी समुद्र किनारे होटल जैसे गोपालपुर, पुरी आदि स्थान में बैठ कर यह काम करते। किसी की सहायता न लेते और दिन में सोलह–सत्रह घंटे काम करते। ऐसा करते हुए वे कम समय में काफी काम समाप्त कर लेते थे। हालांकि जब वे लौट कर फिल्म बनाते तो सारा कुछ उनके दिमाग में होता। उन्हें अधिक–से–अधिक दस दिन लगते थे सिनेरिओ बनाने में। वैसे अंत तक संवाद में परिवर्तन और इम्प्रोवाइजेशन चलता रहता। बाद में उन्हें पता चला आवाज से बचना मुश्किल है अतरू वे हल्ला–गुल्ला के बीच में लिखने के आदि हो गए। वे स्क्रिप्ट लिख रखने के फायदे बताते हैं, इसका सबसे बड़ा फायदा है पैसों की बचत यदि स्क्रिप्ट नहीं है तो अक्सर शूटिंग के दौरान काफी कुछ दोबारा शूट करना पड़ता है जिससे बजट असंतुलित हो जाता है। उन्हें सबसे कम शूटिंग 'कंचनजंघा' फिल्म के दौरान करनी पड़ी। यह फिल्म रंगीन थी, अतरू मंहगी थी, इसलिए भी वे अधिक सावधानी से, अधिक अनुशासन के साथ शूटिंग कर रहे थे। इस फिल्म के साथ एक और बात थी, उनके पास कुशल–अनुभवी अभिनेता छबि बिश्वास थे, वे सत्यजित राय के काम करने के तरीके से भली–भांति परिचित थे। अभिनेता पहले से तैयारी करके आते अतरू इस फिल्म की शूटिंग में कम समय और कम खर्च लगा। नए अभिनेता भी अच्छे थे जल्द सीख रहे थे। मगर पहली 'पथेर पांचाली' का केस भिन्न था। उसके बनाते समय कई बार सही परिणाम पाने के लिए उन्हें सही पल पकड़ने के लिए उन्हें एक दर्जन टेक लेने पड़े।

दर्शकों को अनदेखा नहीं किया जा सकता

फिल्म का सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक दर्शक है, उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता है। स्क्रिप्ट दर्शक को ध्यान में रखकर लिखनी होती है। सत्यजित राय के अनुसार उन्हें कई बात का ध्यान रखना पड़ता है क्योंकि वे एक सीमित बाजार में काम करते हैं। उनके दर्शक खास प्रकार के हैं। उनके अनुसार उनके संभावित दर्शक बहुत सीमित मात्रा में हैं क्योंकि वे बहुत अलग तरह की फिल्म बनाते हैं ये फिल्में चालू फिल्मों से बहुत भिन्न होती हैं। सत्यजित राय के दर्शक शहरों और कस्बों में हैं। उनका ध्यान ऐसी फिल्में बनाने की होता है जो ये दर्शक नापसंद न करें साथ ही फिल्में वेनिस कान एवं बर्लिन मतलब यूरोप में भी स्वीकृत हों। उनका मानना है ये विदेशी दर्शक बहुत परिष्कृत रुचि के होते हैं। हालांकि मैं उनके विचार से सहमत नहीं हूं, मेरी दृष्टि में भारतीय दर्शक की रुचि भी परिष्कृत है। आगे वे कहते हैं यदि वे दोनों तरह के दर्शकों को अनदेखा कर दें तो शायद अधिक स्वतंत्र हो सकेंगे। अगर वे यहां के दर्शकों को भूल कर केवल पश्चिम के लिए फिल्म बनाएं, उनके लिए जितनी सूक्ष्म हो सके उतनी सूक्ष्म फिल्म बनाएं, कठिन–जटिल विषय लें, अधिक वयस्क, अधिक खरी फिल्म बनाएं तब वे दूसरी तरह की कहानियां लेकर, भिन्न किस्म की फिल्म बनाएंगे। पार वे ऐसा नहीं कर सकते। घर–बाहर दोनों का ध्यान रखना है।

नए प्रमुख के कार्यभार संभालने के बाद कई चुनौतियां सामने

विनोद

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी और निस्संदेह सबसे बेहतरीन सेना की कमान संभालना किसी भी पेशेवर सैनिक के लिए सबसे दुर्लभ सम्मान होगा। दुनिया में खुद के साथ युद्ध

चल रहा है और भारत भी अपनी प्रगति और शांति के लिए विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है, यह पवित्र कमान अपने साथ पारंपरिक और कई अज्ञात उभरती हुई समस्याएं लेकर आई है, जिनका सामना करना और उन पर काबू पाना मुश्किल है। इस प्रकार भारत के 30वें सेना प्रमुख (सीओएएस), जनरल उपेंद्र द्विवेदी, जिन्होंने 30 जून को कार्यभार संभाला है, का कार्यकाल संभवतः घटनापूर्ण और कठिन होगा। यह तय है कि उनके साथ उनके देशवासियों की शुभकामनाएं और सरकार और अन्य सेवाओं का समर्थन होगा। कमान संभालने के उनके पहले सप्ताह में ही जम्मू–कश्मीर में पाकिस्तानी मूल के आतंकवादियों द्वारा बार–बार आतंकवादी हमले किए गए हैं। हालांकि प्रत्येक सीओएएस अपनी रणनीतिक धारणा और प्राथमिकताओं के अनुसार अपने पेशेवर एजेंडे को औपचारिक रूप देता है, लेकिन वर्षों और दशकों तक बनी रहने वाली समान चुनौतियां लगातार कमांडरों के लिए आम समस्याएँ हैं। कई स्थायी टकरावों में से, लगातार मुखर और अति महत्वाकांक्षी चीन से निपटना भारत की सबसे महत्वपूर्ण चुनौती बनी रहेगी। इस प्रकार, सेना प्रमुख, जो पहले उत्तरी सेना के कमांडर रह चुके हैं, को चीन की हमारे प्रति भड़काऊ प्रवृत्तियों के बारे में पूरी और गहन जानकारी होगी। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में चीनियों का सामना करने वाले सभी गठन कमांडरों को उनके निर्देश, और जहाँ भी चीनी शरारत करते हैं, भारतीय सैनिकों को हमेशा की तरह अपना धैर्य दिखाना, राष्ट्र और जनरल द्विवेदी के संदेश को प्रभावी ढंग से चीनियों तक पहुँचाने में काफी मददगार साबित होगा। सेना प्रमुख, यदि आवश्यक हो, तो चीनी शरारतों का मुकाबला करने के लिए हमारे द्वारा की जाने वाली कार्रवाइयों की योजना और क्रियान्वयन पर विचार कर सकते हैं। सेना प्रमुख, अपनी पिछली नियुक्ति में उप–प्रमुख होने के कारण, एकीकृत थिएटर कमांड की बारीकियों से अच्छी तरह वाकिफ होंगे, जिसकी स्थापना सरकार द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बावजूद सशस्त्र बलों को चकमा दे रही है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और अन्य दो प्रमुखों के साथ मिलकर, जनरल द्विवेदी को इन कमांडों के निर्माण को आगे बढ़ाना चाहिए, भले ही यह विचार–विमर्श के साथ और बिना किसी जल्दबाजी के किया जाए। अब समय आ गया है कि सशस्त्र बलों में हमारे शीर्ष अधिकारी इस अत्यंत आवश्यक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए अपने सामूहिक ज्ञान का उपयोग करें। सामूहिक अध्ययन और विश्लेषण का एक अन्य क्षेत्र रूस–यूक्रेन युद्ध और इजरायल–हमास संघर्ष से उभरने वाले सबक हैं। सीओएएस और विशेष रूप से उनकी सेना प्रशिक्षण कमान के साथ–साथ दो अन्य सेवाओं को उपमहाद्वीपीय संदर्भ में ऐसे युद्धों की बारीकियों में गहराई से जाना चाहिए। इन दो चल रहे संघर्षों ने आज के युग में संघर्षों की खोज को एक नया और अप्रत्याशित अभिविन्यास दिया है, जो इन संघर्षों के शुरू होने से पहले लड़े गए युद्धों से बिल्कुल अलग प्रतीत होता है। इसी तरह, एक बार मामूली ड्रोन के अपरंपरागत लेकिन गहन उपयोग, जो अब प्रमुख बल गुणक के रूप में उभर रहे हैं, का भारत–चीन और भारत–पाकिस्तान परिदृश्यों में अध्ययन किया जाना चाहिए। पहले से ही प्रख्यापित "अग्निपथ" अवधारणा, "अग्निवीरों" को जन्म दे रही है, एक बार फिर से गरमागरम चर्चा का विषय बन गई है, हालांकि अधिक राजनीतिक आधार पर। अन्य सेवाओं के साथ–साथ, सीओएएस को "अग्निवीर" अवधारणा पर फिर से विचार करना चाहिए और सरकार को इस योजना में व्यापक बदलाव करने या इसे खत्म करने की सलाह देनी चाहिए। लेकिन सेवाओं को नौकरशाही को अग्निवीर या किसी अन्य प्रकार की सैन्य भर्ती के लिए युद्ध प्रभावशीलता सुनिश्चित करने की सेवाओं की आवश्यकता को दरकिनार नहीं करने देना चाहिए। अगर सरकार तीनों सेवाओं के बढ़ते पेंशन बिल को कम करना चाहती है, तो ऐसा करने के और भी ज्यादा प्रभावी तरीके हैं। उदाहरण के लिए, रक्षा मंत्रालय में कुछ ऐसे कार्यालय हैं जिन्हें हटाया जा सकता है क्योंकि राष्ट्र की समग्र सुरक्षा प्रभावशीलता में उनका योगदान बहुत पहले ही खत्म हो चुका है। सीओएएस को आधुनिकीकरण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाने के लिए सेना के भीतर अधिक धन (पूंजीगत व्यय) खोजने के उचित मुद्दे पर विचार करना होगा। इस बीच, भारत–चीन और भारत– पाकिस्तान सीमाओं पर सेना की परिचालन प्रतिबद्धताएं लगातार बढ़ रही हैं, इसलिए केंद्र को इस बात पर जोर देना चाहिए कि अर्धसैनिक बलों में अतिरिक्त इकाइयों को बढ़ाने के बजाय, सेना में भी ऐसा किया जा सकता है, क्योंकि जब गुब्बारा ऊपर जाता है, तो दुश्मन से लड़ने के लिए सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले और राष्ट्र का अंतिम गढ़ भारतीय सेना होती है। हालांकि यह महसूस किया गया था कि पिछले दो वर्षों में जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद काफी हद तक कम हो गया था, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार 3.0 के शपथ ग्रहण के बाद से, पाकिस्तान ने पीर पंजाल के दक्षिण के क्षेत्र में और पिछले सप्ताह अब तक अछूते कठुआ क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों का सहारा लेकर अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। सेना प्रमुख को अब हमारी संपूर्ण आतंकवाद–रोधी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा, हमारे आतंकवाद–रोधी ग्रिड को मजबूत करना होगा और स्थानीय स्तर पर, इकाई और गठन कमांडरों को कहीं अधिक खुफिया जानकारी के साथ–साथ सामरिक रूप से अधिक सतर्क और आक्रामक बनना होगा। यह निश्चित है कि इस समय, सीओएएस और देश के शीर्ष सुरक्षा पदानुक्रम पाकिस्तान को और अधिक शरारत करने से रोकने के लिए कुछ रणनीतिक जवाबी उपायों पर भी विचार कर रहे होंगे। पाकिस्तान को यह स्पष्ट रूप से बताना होगा कि भारत ने अभी तक पाकिस्तान के भीतर मौजूद कई दोषों का फायदा नहीं उठाया है और उन्हें भारत के क्रोध का सामना करने से पहले अपनी आतंकवादी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना चाहिए। उपकरणों और प्लेटफार्मों का आधुनिकीकरण, कल की तकनीक का अधिग्रहण, युद्ध के नए रूपों के लिए अनुकूलन और सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाना भी नए सीओएएस के लिए प्रमुख चिंता का विषय होगा। महत्वपूर्ण रूप से, तीनों सेवाओं के बीच तालमेल और बेहतर अंतर–संचालन सुनिश्चित करना भी उनका केआरए होगा। दुनिया में सबसे अनुशासित और पेशेवर लड़ाकू बल का उनका नेतृत्व क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण होगा और सरकार को युद्ध के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक साधन प्रदान करने चाहिए।

कला और भारत का पवित्र दस्तावेज

विनोद

भारतीय संविधान अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। धीरे–धीरे संविधान लोकप्रिय चर्चा का दस्तावेज बन गया है। यह परिवर्तन कला, गीत और कविता जैसे विभिन्न रूपों में प्रकट होता है। ऐसी ही एक अनूठी अभिव्यक्ति इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में हमारी विरासत नामक प्रदर्शनी के रूप में देखने को मिली। इस प्रदर्शनी का आयोजन नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया, वी, द पीपल अभियान और हैंड फॉर हैंडमेड द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में भारत भर की 75 महिलाओं द्वारा बनाई गई 75 टेक्सटाइल भित्ति चित्र शामिल थे, जो संविधान को अलग–अलग अर्थ देते हैं। उदाहरण के लिए, कच्छ की महिला कारीगरों द्वारा बनाए गए भित्ति चित्र में शेर, मोर, बैल और घोड़ों को दर्शाया गया है, जो कच्छ की विविध शैलियों में कढ़ाई करके एक विविधतापूर्ण राष्ट्र को एक साथ रखने में संविधान की भूमिका का सम्मान करते हैं। इसी तरह, कलाकार वंदना द्वारा बनाए गए जम्मू और कश्मीर के भित्ति चित्र में कमल को दिखाया गया है, जो संविधान का एक हिस्सा है, जबकि डोकरा कारीगरों द्वारा बनाए गए जानवरों के चित्रण में एकता और विविधता के प्रस्तावना मूल्यों का प्रतिनिधित्व किया गया है। विभिन्न राज्यों की 75 महिला कारीगरों का काम न केवल विविधता और एकता को दर्शाता है, बल्कि संविधान के मूल्यों को भी दर्शाता है। महिला कारीगरों का यह प्रयास हमें याद दिलाता है कि हमारा संविधान, कपड़ा भित्तिचित्रों की तरह, विभिन्न पृष्ठभूमि और अलग–अलग विचारधाराओं वाले सदस्यों द्वारा तैयार किया गया था। विज्ञापन लिस्बन विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर वास्को दा सिल्वा ने तर्क दिया है कि ष्संस्कृति और संविधान के बीच एक दूसरे के बीच एक श्प्रेमपूर्ण संबंधश है जिसे सांस्कृतिक वास्तविकता के रूप में संविधान के परिप्रेक्ष्य और सांस्कृतिक संविधान के परिप्रेक्ष्य दोनों से देखा जा सकता है।ष भारत के संविधान का, विशेष रूप से, कला के साथ एक आंतरिक संबंध है। यह विभिन्न कलात्मक परंपराओं को चित्रित करता है, जैसे कि अजंता की गुफाएँ, ओडिया कला विद्यालय, चोल कला, दक्कनी लघुचित्र आदि। सुलेखक प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने संविधान को हाथ से लिखा था, जबकि नंदलाल बोस ने कलाकृति बनाई थी। बोस स्वदेशी संस्कृतियों से अत्यधिक प्रेरित थे और इसलिए, उन्होंने एक नया दृश्य सौंदर्य बनाया। संविधान में अजंता और बाघ की भित्तिचित्र बोस की कलात्मक रचनात्मकता को दर्शाते हैं। यह इतिहास कला रूपों के माध्यम से संविधान के साथ समकालीन जुड़ाव का आधार बनता है। हाल के वर्षों में, विभिन्न समुदायों ने गीतों और कला के माध्यम से संविधान के साथ जुड़ाव किया है और अपनी संस्कृति के माध्यम से इसके अर्थ को आकार दिया है। नागरिक समाज संगठनों ने संविधान में निहित अर्थ को कला के माध्यम से व्यक्त करने के लिए महिला कारीगरों को शामिल किया है ताकि संविधान को एक ऐसे दस्तावेज में बदला जा सके जिसका उपयोग रोजमर्रा की जिंदगी में किया जा सके। इस तरह की पहल यह संदेश भी देती है कि महिलाएँ ऐसे प्रयासों के केंद्र में हैं। हमारी विरासत में न केवल महिला कारीगरों द्वारा तैयार किए गए भित्तिचित्र दिखाए गए, बल्कि संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के पोस्टर भी शामिल थे। संविधान पर काम करने वाले प्रसिद्ध सार्वजनिक बुद्धिजीवियों रोहित डे और ओरनीत शनि ने तर्क दिया है कि संविधान–निर्माण का अधिकांश काम, वास्तव में, अनौपचारिक बातचीत और निजी चौट में हुआ था। इसके अन्य योगदानों के अलावा, प्रदर्शनी एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक थी कि संविधान एक संस्थागत व्यवस्था से परे भी काम करता है।

यूरोपीय लोग अपनी रक्षा के लिए आगे आ रहे

ललित

अमेरिका के 34वें राष्ट्रपति और नाटो के तहत यूरोप में मित्र देशों की अभियान सेना के पहले सर्वोच्च कमांडर जनरल ड्वाइट आइजनहावर का दृढ़ विश्वास था कि उनका मिशन यूरोपीय लोगों को अपनी सैन्य ताकत के बल पर खड़ा करना था, न कि अमेरिकी सैनिकों को ब्रूसेल्स एवं बर्लिन का स्थायी अंगरक्षक बनाना। वर्ष 1951 में उन्होंने नाटो के बारे में लिखा था, यदि दस वर्षों में राष्ट्रीय रक्षा उद्देश्यों के लिए यूरोप में तैनात सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस नहीं भेजा गया, तो यह पूरी परियोजना विफल हो जाएगी। लेकिन विगत नौ जुलाई को जब नाटो सहयोगी देशों के नेता उसकी 75वीं वर्षगांठ के लिए वाशिंगटन में सम्मिलित हुए, उस समय भी जर्मनी, इटली, ब्रिटेन और अन्य स्थानों पर लगभग 90 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं, जो पांच लाख सैनिकों वाले नाटो के सैन्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नाटो में अमेरिका की व्यापक मौजूदगी सिर्फ सैनिकों की बड़ी संख्या के कारण नहीं है, बल्कि यूक्रेन सपोर्ट ट्रैकर डाटाबेस के मुताबिक, दुनिया भर के देशों द्वारा यूक्रेन को आवंटित 206 अरब डॉलर की सैन्य व असैन्य सहायता राशि में से 79 अरब डॉलर की सहायता अकेले अमेरिका ने दी है। कैटो इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, 1960 के बाद से मित्र देशों के सकल घरेलू उत्पाद में अमेरिका की हिस्सेदारी औसतन लगभग 36 प्रतिशत रही है, जबकि मित्र देशों के सैन्य खर्च में इसकी हिस्सेदारी 61 प्रतिशत से अधिक रही है। लेकिन, अब यह स्पष्ट है कि यूरोपीय देशों को अपनी रक्षा के लिए ज्यादा जिम्मेदारी उठानी होगी। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी का अलगाववादी धड़ा इस बिंदु पर अमीर यूरोपीय देशों को आड़े हाथ लेते हैं कि ये देश सामाजिक सुरक्षा पर अमेरिका से भी ज्यादा खर्च करते हैं, लेकिन इनके पास अपनी सेना के लिए पैसे नहीं हैं। बल्कि, इसलिए भी कि अमेरिकी अधिकारी अब चीन द्वारा पेश की गई चुनौतियों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, जिसके लिए आने वाले वर्षों में अधिक संसाधनों की जरूरत होगी, खासकर चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान के बढ़ते सहयोग को देखते हुए। अमेरिका हर जगह एक साथ, अकेले सब कुछ नहीं कर सकता। नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईडे ने बताया कि अमेरिकी चुनाव में चाहे जो भी जीते, यूरोपीय नेता समझते हैं कि उन्हें और अधिक योगदान देने की आवश्यकता है। वाशिंगटन की अपनी हालिया यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन नेतृत्व ने बताया कि यूरोपीय लोगों को यूक्रेन में युद्ध के लिए बहुत अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी, क्योंकि अमेरिका के पास श्और भी बड़े काम हैं। इसकी शुरुआत हो चुकी है, लेकिन उतनी तेजी से नहीं, जितनी होनी चाहिए। नाटो शिखर सम्मेलन की निस्संदेह यह उपलब्धि रही कि 23 नाटो सदस्यों ने अपने जीडीपी का कम से कम दो फीसदी अपनी सेना पर खर्च करने पर कुछ हद तक सहमति जताई, जबकि एक दशक पहले तक मात्र तीन सदस्य ही इतना खर्च करते थे। लेकिन आश्चर्यजनक है कि नाटो के 32 सदस्यों में से एक तिहाई अब भी खर्च के उस लक्ष्य से पीछे हैं, जिस पर 2014 में सहमति बनी थी। अगर रूस ने पूर्ण पैमाने पर हमला किया और नाटो सदस्य और खर्च करने के लिए राजी नहीं हुए, तो यह कल्पना करना मुश्किल है कि क्या होगा। इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल अफेअर्स के ताजा सर्वे के मुताबिक, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस एवं जर्मनी में अधिकांश लोगों का मानना है कि यूरोप को नाटो में बनाए रखने के लिए उन्हें अपनी रक्षा के लिए प्रमुख जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अमेरिका पर यूरोप की निर्भरता महाद्वीप में बढ़ती बेचौनी को जन्म दे रही है। दरअसल, इसका एक कारण मानवीय स्वभाव है। अगर उनकी रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका खर्च वहन करता है, तो सहयोगी क्यों निवेश करेंगे? लेकिन दूसरा कारण संरचनात्मक है। जब नाटो का गठन हुआ था, तो यूरोपीय सहयोगी विनाशकारी युद्ध से उबर ही रहे थे, जिससे वे एक दूसरे से संदेह करते थे और शत्रुतापूर्ण भी बन गए थे।

ऐसे में कोई तो चाहिए था, जो उन सबको इकट्ठा करता। इस तरह, नाटो में अमेरिका की भूमिका अस्थायी सहायक से स्थायी रक्षक में बदल गई। लेकिन 1960 के दशक तक यह साफ हो गया कि अमेरिकी सेना जल्दी वापस नहीं जाएगी। एक बार जब वाशिंगटन को एहसास हो गया।

13 साल के लोकतंत्र में 16 बार बदली है सरकार

संजय

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो साधनों, नैतिकता और मूल्यों का पूरी तरह से अनादर कर अंत तक अड़े रहने के मैकियावैली सिद्धांत के अनुपालन की राजनेताओं की प्रवृत्ति नेपाल के निवर्तमान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के मामले में सटीकता से दिखती है, जो नेपाली संसद में विश्वासमत हासिल करने के दौरान अपमानजनक ढंग से हारकर अपना पद गंवा बैठे हैं। प्रचंड को मात्र 63 वोट ही मिले, जबकि उनके खिलाफ नेपाली कांग्रेस और नेपाल (यूएमएल) के नए गठबंधन को कुल 194 वोट मिले। नए गठबंधन को राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी एवं जनता समाजवादी पार्टी जैसे छोटे दलों का भी समर्थन मिला। 275 सीटों वाले सदन में बहुमत के लिए मात्र 138 सीटें चाहिए। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के समक्ष ओली ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इस बीच अच्छी बात यह है कि सीपीएन–यूएमएल के विदेश मामलों के प्रमुख और स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य डॉ. राजन भट्टाराई ने जोर देते हुए कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि नेपाल की प्रगति या नेपाली नागरिकों का कल्याण केवल भारत समर्थक रुख अपनाकर ही हासिल किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओली नेपाल–भारत संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के इच्छुक हैं, ताकि आधुनिक युग की जरूरतों के साथ तालमेल बिठाया जा सके। नेपाल में लोकतंत्र की नाजुक स्थिति के कारण निरंतर अस्थिरता सरकार की पहचान रही है, जो तेरह वर्षों के लोकतंत्र में 16 बार सत्ता परिवर्तन से स्पष्ट है, जिससे देश के आम लोगों के हितों पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ा ही है, देश आर्थिक संकट और ऋण देनदारियों, विशेष रूप से चीनी कर्ज के जाल में फंस गया है। नई सरकार का डेढ़ साल तक नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री और कट्टर कम्युनिस्ट नेता ओली करेंगे, जिसके बाद समझौते के अनुसार, शेष कार्यकाल के लिए देउबा प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे। ओली एवं देउबा की नई गठबंधन सरकार को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और यही चुनौतियां उनकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण होंगी, अन्यथा इसका नतीजा मध्यावधि चुनाव के रूप में सामने आ सकता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि कम्युनिस्टों (चीन समर्थक) और नेपाली कांग्रेस (भारत समर्थक) की विरोधी विचारधाराओं वाली नई सरकार को एकजुट रखना एक बड़ी चुनौती हो सकती है।

दूसरी बात, ओली और देउबा गठबंधन के समक्ष दो क्षेत्रीय शक्तियों यानी भारत और चीन से समान दूरी बनाए रखने की बाध्यता होगी, जिनके नेपाल के मामलों में भू–राजनीतिक और सामरिक हित जुड़े हैं। तीसरी बात, इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए ओली ने भारत विरोधी कार्रवाइयों को बढ़ावा दिया था। उन्होंने एक नया नक्शा बनवाया था, जिसमें लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी सहित भारतीय क्षेत्रों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था। इससे भारत नाराज हो गया और नक्शे को खारिज करते हुए उसे संबंधों को खराब करने का प्रयास बताया था। अब, गठबंधन में प्रमुख भागीदार के रूप में देउबा की जिम्मेदारी होगी कि वह ओली को भारत विरोधी मानसिकता से निकलने के लिए मनाएं और दोनों देशों के सदियों पुराने संबंधों की रक्षा करें। चौथी बात, प्रचंड के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट सरकार ने हमेशा चीन के प्रति प्रतिबद्धता के संकेत दिए हैं। चीन नई सरकार से भी बेल्ट ऐंड रोड (बीआरआई) पहल पर आगे बढ़ने की उम्मीद करेगा, क्योंकि प्रचंड ने 12 मई, 2017 को दोनों देशों के बीच हुए हस्ताक्षरित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब ओली सरकार को भारत की तरफ से किसी भी अड़चन से बचने के लिए इसे स्थगित रखने के लिए तार्किक कदम उठाना होगा। प्रचंड ने सितंबर, 2023 में बीजिंग की अपनी यात्रा के दौरान बीआरआई को गति देने के लिए नेपाल की प्रतिबद्धता दोहराई थी। अब ओली के लिए बीआरआई के संकल्प पर टिके रहना मुश्किल होगा, क्योंकि नेपाली कांग्रेस पूरी तरह से इसके खिलाफ है, इसलिए इस मामले में प्रगति की संभावना दूर की कौड़ी लगती है। पांचवीं बात, भारत की अग्निपथ योजना से निपटना नई सरकार के लिए चुनौती होगी, जो अब तक की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। भारत ने 15 जून, 2022 को अग्निपथ योजना शुरू की थी, जिसे नेपाल में भी लागू किया गया था, लेकिन कुछ आपत्तियों की वजह से अब भी नेपाल ने कोई फैसला नहीं लिया है। जबकि फील्ड रिपोर्ट बताती है कि नेपाल में ऐसे बेरोजगार युवा हैं, जो अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में शामिल होने के इच्छुक हो सकते हैं, लेकिन पिछली दो सरकारों ने इसमें देरी की और तीसरी सरकार भी शायद उससे अलग नहीं होगी। छठी बात, भारत के साथ नेपाल का सीमा विवाद है, जिसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की जरूरत है। नई सरकार एक नई रणनीति अपना सकती है, जिसमें भारतीय समकक्षों के साथ उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता करने और सीमा विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाना शामिल है। तकनीकी और कूटनीतिक माध्यमों से सीमा विवाद के समाधान में तेजी लाने के लिए नेपाल–भारत संयुक्त सीमा आयोग को मजबूत करने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। अवैध गतिविधियों और अनधिकृत घुसपैठ को रोकने के लिए विवादित सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ाना, दोनों देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। सातवीं बात, चीन ने पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश आदि की तरह नेपाल को भी अपनी ऋण नीति में फंसा कर नेपाल को भारी कर्ज दिया है, जिसे चुकाने में सदियां लग सकती हैं। अंत में, विवादित क्षेत्रों में पहुंच बढ़ाने और उपस्थिति का दावा करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और सुधार के लिए एक कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। इन रणनीतियों को अपनाकर नेपाल की नई सरकार अग्निपथ योजना से उत्पन्न चुनौतियों और भारत के साथ चल रहे सीमा विवादों का संतुलित और प्रभावी तरीके से समाधान कर सकती है। लेकिन नए गठबंधन का अस्तित्व पूरी तरह से साझेदारों के आपसी विश्वास और संतुलित कूटनीतिक रणनीति के कार्यान्वयन तथा दो क्षेत्रीय दिग्गजों को नाराज करने से बचने पर निर्भर करेगा, जिसका अतीत में अभाव रहा है।

बाढ़ के बाद की स्थिति से निपटने एवं गांवों में साफ सफाई के कार्यों में तेजी लाने को लेकर जिलाधिकारी ने दिए स्पष्ट निर्देश

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' बाढ़ के बाद की स्थिति से निपटने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी मंगलाा प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को एक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि बाढ़ का पानी निकलने के बाद गावों में साफ सफाई का कार्य तेजी से कराये तथा नाले–नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाये तथा सफाई के उपरांत ग्राम प्रधान से प्रमाण पत्र लिया जाये जिस पर बाढ़ से प्रभावित हो चुके 5 लोगों के हस्ताक्षर हों।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाढ़ प्रभावित सभी आँगनबाड़ी केंद्रों व स्कूलों में अच्छी तरह से सफाई सुनिश्चित की जाये और गावों में एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जाये। लोगों को सूचित करने के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रयोग करें तथा जनपद स्तर से ग्राम स्तर तक टीम बनाकर कार्य किया जाये। ग्रामों में मजरे वार व गाँव के आकार के अनुसार ड्यूटी लगायी जाये। संक्रामक बीमारियों से निपटने में पूरी गंभीरता से कार्य किया जाये। गाँव में दवा वितरण कैम्प लगाया जाये। प्रत्येक गाँव में पशुपालन विभाग की टीम लगायी जाये। सफाई के उपरांत शाम के समय फॉगिग का कार्य कराया जाये। बाढ़ से मुक्त हो चुकी सड़कों की तेजी से मरम्मत करायी जाये। जिलाधिकारी ने शाहाबाद पाली मार्ग पर आगम पुर पुलिया की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल इस मार्ग पर ट्रकों का आवागमन बन्द रखा जाये। प्रतिदिन किये जाने वाले कार्यों की रिपोर्ट ली जाये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आरटीओ व रोडवेज विभाग द्वारा चलाए गए चेकिंग अभियान में तीस वाहनों पर हुई कार्रवाई

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। आरटीओ व रोडवेज विभाग द्वारा इस समय डग्गामार व अनफिट वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में बुधवार को रौनाही टोल प्लाजा अयोध्या पर संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विश्वजीत प्रताप सिंह के साथ साथ एआरटीओ प्रशासनध्प्रवर्तन डॉ आर पी सिंह व सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने संयुक्त रुप से चेकिंग का अभियान चलाया। चेकिंग अभियान में 30 वाहनों में कमी पाते हुए कार्यवाही की गई।इस अभियान में इन दोनों अधिकारियों ने चेकिंग अभियान के दौरान यात्री वाहन एवं माल वाहन के स्वामियों एवं चालकों से अपील किया कि यदि यात्री अथवा माल वाहन के प्रपत्र जैसे परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट इत्यादि पूर्ण नहीं है अथवा उनके बॉडी की बनावट मोटर वाहन अधिनियम में दिए गए निर्देशों के अनुरूप नहीं है तो ऐसी वाहन को किसी भी दशा में सड़क पर ना चलाएं। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह के वाहनों को सड़क पर चलते पाया गया तो उनके विरुद्ध कड़ी प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी।वही यदि किन्हीं परिस्थितियों में कोई दुर्घटना घटित होती है तो उनके वाहन स्वामियों के खिलाफ नियम अनुसार संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। इस संबंध में एआरटीओ प्रशासनध्प्रवर्तन डॉ आर पी सिंह व सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने बताया कि चेकिंग के दौरान फिटनेस समाप्त होने एवं कर बकाया होने के चलते 6 वाहनों को बंद किया गया।वही अन्य 24 वाहनों का चालान ओवरलोडिंग, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट ना लगे होने, के साथ साथ मानक के अनुसार रिफ्लेक्टर ना लगे होने के अभियोग में किया गया है।इस मौके पर यात्री कर अधिकारी राजेश वर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

58 शिक्षक संकुलों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 17, खुटहन ब्लॉक अंतर्गत ऑनलाइन हाजिरी के विरोध तथा शिक्षकों की विभिन्न मांगों के प्रति बेसिक शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों के उदासीन रवैये से आहत ब्लॉक के सभी शिक्षक संकुलों ने बीआरसी केंद्र पहुँच सामूहिक त्यागपत्र दे दिया। समूह में त्यागपत्र की एक प्रतिलिपि बीईओ अश्विनी सिंह को सौंप विरोध जताया। प्राथमिक शिक्षक संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार यादव , राकेश सिंह ने कहा कि विभाग शिक्षकों की जायज मांगो जैसे 31 उपार्जित अवकाश, 14 आकस्मिक अवकाश,अध्ययन अवकाश, निःशुल्क चिकित्सा, द्वितीय शनिवार को अवकाश आदि विभिन्न मांगों पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा अब तक कोई उचित निर्णय नही लिया गया है और ना ही संघ के पदाधिकारी से कोई वार्ता की गई है। उन्होंने कहा जब तक शिक्षकों की मांगों पर विभाग विचार नही करेगा तब तक शिक्षक , शिक्षण के अलावा कोई कार्य नही करेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इस प्रकार के अव्यवहारिक आदेश से सभी शिक्षक बहुत आहत है। उक्त अवसर पर आलोक कुमार यादव मिठाई लाल यादव रमाकांत यादव अन्त लाल वेंकटेश विश्वकर्मा अनिल पांडे नवीन शर्मा अमरदेव जयप्रकाश यादव जयप्रकाश सिंह जंग बहादुर यादव वीरेंद्र प्रताप मौर्य उमाशंकर यादव धनंजय दिलीप इंदु बिन्द, संदीप यादव राजीव सिंहा अनिल गौतम देवमणि दुबे सौरभ ज्योति यादव रविंद्र कुमार राजेश कुमार पाल गीता पाल आशा यादव निर्मला ओंकारनाथ यादव दिनेश यादव दिव्यांशु सिंह सूबेदार यादव सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

जिला पुरुष व महिला चिकित्सालय में महिला व पुरुष के रूप में दलाल सक्रिय

अयोध्या। जिला पुरुष चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय में अगर आप अपना या अपने परिजनों का इलाज कराने आ रहे हैं तो काफी सतर्क रहें। क्योंकि यहां पर सीएमएस जिला पुरुष चिकित्सालय व सीएमएस महिला चिकित्सालय के लाख कोशिशों के बावजूद महिला व पुरुष के रुप में दलाल काफी संख्या में सक्रिय है। जो जिला पुरुष चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय के बाहर के साथ साथ वार्डों में आसानी से देखे जा सकते हैं।यहां पर जो भी व्यक्ति अपना या अपने परिजनों का इलाज कराने आते हैं तो यहां पर सक्रिय दलालों का यही प्रयास रहता है कि इन मरीजों को अधिक से अधिक संख्या में जिला महिला चिकित्सालय के सामने दर्जन भर खुले डिग्री धारक झोलाछाप चिकित्सकों के क्लीनिक पर ले जाना रहता है।अगर आप इसका जीता–जागता उदाहरण देखना चाहते हैं तो जिला पुरुष चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय में थोड़ी देर के लिए परिसर में खड़े रहे तो वहां पर वही पर पुरुष व महिला के रुप में ये सफेद कोट धारण किए हुए ये दलाल ये मिल जायेगे।जिनका सबसे अधिक प्रयास दूर दराज से आने वाली गर्भवती महिलाओ को बहला फुसलाकर कर जिला महिला चिकित्सालय के गेट के सामने स्थित स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास ले जाती है। जहां पर वहां पर मौजूद स्त्री रोग विशेषज्ञ इन दलालों को भारी भरकम कमीशन देती है।जिसके एवज में ये दलाल जिला महिला चिकित्सालय में इलाज कराने आने वाली गर्भवती महिलाओ व बीमारियों से पीड़ित महिलाओं को इन महिला चिकित्सकों के पास ले जाती है।इसके अलावा जिला पुरुष चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय में पुरुष के रुप में सक्रिय दलाल यहां पर आने वाले भोली भाली मरीजों को बहला फुसलाकर बाहर से अल्ट्रासाउंड, एक्सरे,सीटी स्कैन, ईसीजी सहित अन्य जांचों के नाम पर भारी भरकम धन वसूलते हैं।इस संबंध में दोनों चिकित्सालय के सीएमएस खुद इस गंभीर समस्या को स्वीकार करते हैं।उन्होंने बताया कि इन दोनों चिकित्सालयों में सक्रिय दलालों पर बीच–बीच में शिकंजा कसने के लिए अभियान भी चलाया जाता है।जिसमें कई बार पीड़ित मरीजों द्वारा शिकायत मिलने पर कार्यवाही भी की जाती है।इन दोनों सीएमएस ने यहां पर आने वाले मरीजों से अपील किया कि वे सभी अपना इलाज यहां पर तैनात चिकित्सकों से कराये।किसी भी दलाल के चंगुल में फंसे। किसी पर शक होने पर सीधे हमसे संपर्क करें।

शाश्वत राय को मिला डीयू के किरोड़ीमल कालेज में दाखिला, परिजनों में खुशी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के शास्त्री नगर (कालीकुत्ती) निवासी पत्रकार विद्याधर राय श्विद्यार्थी श व नीतू राय के सुपुत्र शाश्वत राय का दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित किरोड़ीमल कालेज में राजनीति विज्ञान में परास्नातक करने के लिए दाखिला मिलने पर परिजनों एवं शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। शाश्वत ने प्रारम्भिक शिक्षा नगर के रुहट्टा स्थित होली चाइल्ड एकेडमी, हाईस्कूल व इण्टर सिद्दीकपुर स्थित मां दुर्गा जी विद्यालय से पूरी करने के पश्चात दिल्ली यूनिवर्सिटी के दयाल सिंह कालेज से ग्रेजुएशन किया ध। तत्पश्चात राजनीति विज्ञान में परास्नातक करने के लिए सीयूईटी की परीक्षा में शामिल हुए , प्राप्त अंकों के आधार पर डीयू के प्रतिष्ठित किरोड़ीमल कालेज में प्रवेश पाने में सफल रहे। शाश्वत ने अपनी सफलता का श्रेय माता नीतूराय, पिता विद्याधर राय, दादा विजय बहादुर राय,छोटे दादा अमर बहादुर राय सहित गुरुजनों एवं मित्रों को दिया है। श्री राय की सफलता पर राज पीजी कालेज विभागाध्यक्ष (समाजशास्त्र) डा. मनोज वत्स, अवकाश प्राप्त प्राचार्य डा. अखिलेश्वर शुक्ला, अवकाश प्राप्त प्राचार्य गांधी स्मारक त्रिवेणी पीजी कालेज बरदह आजमगढ़ डा. देवरुप तिवारी, मोहम्मद हसन पीजी कालेज के प्राचार्य डा. अब्दुल कादिर खान, शिक्षक नेता डा. राजेश सिंह मुन्ना, प्रधानाचार्या होली चाइल्ड एकेडमी नीलम सिंह सहित पत्रकार साथियों ने खुशी जाहिर किया है।

जमीन कब्जे को लेकर चली गोलियां, दो लोग गंभीर रूप से घायल

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) जमीन पर कब्जे को लेकर आज दो पक्षों में गोलियां चलने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बिलग्राम थाना क्षेत्र के नया बंगला मजरा घमुईया गांव में बुधवार की दोपहर गांव के ही धीरू अपने साथियों के साथ बृजेश के खेत में जाकर उसकी तिल्ली की खड़ी फसल को पलटने लगा। जब बृजेश ने इसका विरोध किया तो धीरू, सत्येंद्र, भानू ने बृजेश पर गोली चला दी। इस फायरिंग में बृजेश व उसके परिवार का ही मानसिंह गोली लगने से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन, अपर पुलिस अधीक्षक नृपेंद्र कुमार भारी पुलिस बल के साथ सीएचसी पहुंचे। जहां उन्होंने घायलों से घटना की जानकारी ली उसके बाद घटनास्थल पर पहुंच कर मौका मोयना किया। घायल बृजेश ने बताया कि गांव के ही धीरू व सतेंद्र, भानू,दबंग किस्म के इंसान हैं। जो उसके खेत पर जबरदस्ती कब्जा कर रहे थे। जिसका उसने विरोध किया, तब इन लोगों ने फायरिंग करनी शुरू कर दी। चिकित्साधिकारी डॉ अमित यादव ने बताया कि बृजेश के सिर में गोली लगी है, एक्सरे कराने के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जबकि मान सिंह के हेड इंजरी है, उन्हें भी जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्रभारी निरीक्षक नारायण कुमार कुशवाहा ने बताया कि मामला खेत के विवाद को लेकर है। एक पक्ष की तरफ से गोली चलाने का मामला सामने आ रहा है, पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने मौका मुआयना करने के बाद हमलावरों की शीघ्र गिरफ्तारी के आदेश संबंधित थाना पुलिस को दिए।

सीएमओ डा. संजय जैन ने सीएचसी मया बाजार पर बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

अयोध्या। जनपद में चिकित्सा एवम स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिए डॉ संजय जैन ने सीएचसी मया बाजार निरीक्षण कर एएनएम एवम सीएचओ के साथ बैठक कर वहां पर मौजूद अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिया। इस मौके पर उन्होंने वर्तमान समय ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा योजनाओं की समीक्षा बैठक किया। इस बैठक में उन्होंने विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान,स्टॉप डायरिया प्रोग्राम,बाल स्वास्थ्य पोषण माह, विश्व जनसंख्या माह एवं टीकाकरण के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सी एच ओ एवं ए एन एम के द्वारा मरीजों को बेहतर इलाज कर दवाओं और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की करें। बैठक में सीएमओ डॉ संजय जैन द्वारा निर्देशित किया गया कि जनता को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।इसके साथ ही साथ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता के लिए प्रतिदिन सेवाएं प्रदान करने को कहा। इस मौके पर सीएमओ डॉ संजय जैन के अलावा के डिप्टी डी आई ओ डॉक्टर राजेश चौधरी,डी पी एम आर पी पटेल, डीसीपीएम अमित कुमार एवम ब्लॉक स्तर चिकित्सा अधीक्षक , एच ई ओ एवम बी पी एम उपस्थित रहें।

जय बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विगत 21 वर्षों की भांति इस वर्ष में भी जय बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति सुतहटी बाजार जौनपुर के बैनर तले 101 भक्तों का जत्था सिटी स्टेशन से बेगमपुर एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा जम्मू कश्मीर स्थित जय बाबा अमरनाथ बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ जत्था का नेतृत्व तीर्थराज धर्मपाल अजय वर्मा कर रहे हैं बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति के सेवादार अजय वर्मा अज्जू जी ने बताया कि जत्था में शामिल भक्त बाबा बर्फानी के दर्शन उपरांत कश्मीर में माता खीर भवानी श्रीनगर में स्थित शंकराचार्य मंदिर एवं अन्य जगह का दर्शन पूजन करने के उपरांत कटरा के लिए रवाना होंगे वहां पर माता वैष्णो जी शिवखोड़ी के दर्शन करेंगे समिति के लोग जुलूस के रूप में नाचते गाते महिलाएं पुरुष बच्चे सिटी स स्टेशन के लिए रवाना हुए उनका उत्साह देखते ही बनता है भक्त जयकारे लगाते चल रहे थे बाबा अमरनाथ बर्फानी दक्षिण कश्मीर में स्थित 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है सबसे खास बात गुफा के बाहर चारों तरफ कच्ची बर्फ रहता है जबकि गुफा के अंदर बाबा का शिवलिंग ठोस बर्फ से बनता है जहां दूर–दूर तक कोई भी जीव नहीं रहते हैं वहां पर दो जोड़ा कबूतर का होना अपने आप में आश्चर्यचकित करता है यात्रा में तीर्थराज गुप्ता धर्मपाल चौधरी शकुंतला चौधरी रुक्मणी गुप्ता इत्यादि लोग शामिल है सिटी स्टेशन पहुंचने वालों में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया उमेश श्रीवास्तव सभासद नंदलाल यादव वसंत प्रजापति संतोष मौर्य मुन्ना सिंह जय विजय सोनकर जितेंद्र कुमार पप्पू यशवंत साहू सतीश सिंह त्यागी मनोज पटेल सरस गौड़ पूर्व सभासद राम सिंह मौर्य दीपक मिश्रा दीपू महेंद्र गुप्ता सनी चौधरी रवि चौधरी विशाल गुप्ता भारत गुप्ता इत्यादि लोग शामिल थे।

ऐडेड जूनियर शिक्षक भर्ती 2021 के अभ्यर्थियों का एक पांच सदस्यीय प्रति निधिमंडल उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय से मिला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ऐडेड जूनियर शिक्षक भर्ती 2021 के अभ्यर्थियों का एक 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री श्री अजय राय जी से मिला एवं अपनी परेशानियां साझा की। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय के समक्ष अपनी बात रखते हुए बताया कि ऐडेड जूनियर शिक्षक भर्ती 2021 जिसकी परीक्षा 17 अक्टूबर 2021 को हुई तथा परिणाम 17 नवम्बर 2021 को जारी किया गया। परीक्षा में सम्मिलित कुछ अभ्यर्थियों द्वारा आए हुए परिणाम से असहमत होकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में रिट भी दायर की गई। जिस पर न्यायालय के आदेश पर 6 सितम्बर 2022 को परिणाम पुनः दोबारा घोषित किया गया। अभ्यर्थियों द्वारा दोबारा जारी किये गये परिणाम को लेकर पुनः रिट याचिका दायर की गयी, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया। अतः अब घोषित परिणाम के अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया में कोई बाधा नहीं है मगर शासन स्तर पर इस प्रक्रिया को जानबूझकर टाला जा रहा है। प्रतियोगी छात्र समिति से जुड़े आदेश शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बताया कि इसी प्रकार टीजीटी–पीजीटी 2022 की भर्ती परीक्षा, असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती, प्राइमरी भर्ती, एलटी परीक्षा जो कि अभी भी लंबित है जिसे कराने में सरकार हीला हवाली कर रही है। ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय जी ने मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखकर मा0 इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद 6 सितम्बर 2022 को ऐडेड जूनियर शिक्षक भर्ती के पुनः घोषित किये गये परिणाम के बाद इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का न्यायालय हस्तक्षेप न होने पर इस भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने हेतु उनका ध्यान आकृष्ट कराया। और कहा कि भर्ती प्रक्रिया में सरकार का ढुलमुल रवैया अभ्यर्थियों के प्रति संवेदनहीनता को दर्शाता है। श्री राय ने छात्रों के भविष्य को देखते हुए उक्त भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र सम्पन्न कराये जाने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित करने के लिए मुख्यमंत्री से निवेदन भी किया।

'पत्रकार एकता संघ के जिला महामंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को बांटे भोजन पैकेट'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' थाना क्षेत्र के गांवों में आई भीषण बाढ़ ने जमकर तबाही मचाई। लोगों को घर से निकलना मुश्किल हो गया।लोगों के सामने भोजन आदि का संकट खड़ा हो गया। बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत हेतु पत्रकार एकता संघ के जिला महामंत्री ने आगे आकर मानवता दिखाते हुये मदद को हाँथ बढ़ाये।

पाली नगर निवासी पिंटू होटल के पार्टनर पत्रकार एकता संघ के जिला महामंत्री मंजेश गुप्ता ने ग्राम अतरजी एवं कहारकोला समेत कई बाढ़ प्रभावित गाँव के पीड़ितो को भोजन पैकेट वितरित कर मानवता की मिसाल कायम की है। जिला महामंत्री मंजेश गुप्ता ने बताया कि गर्रा नदी में आई भयंकर बाढ़ ने ऐसी तबाही मचाई कि बाढ़ पीड़ितों का सब कुछ नष्ट हो गया।बाढ़ पीड़ितों के पास खाने की सामग्री तक भी नहीं बची।उन्होंने सैकड़ों बाढ़ पीड़ितों को सहयोगियों की मदद से भोजन के पैकेट बाँट कर मानवता की मिसाल कायम की साथ ही उन्होंने कहा कि इसी तरह बाढ़ का जलस्तर कम होने पर भी इसी तरह मदद करते रहेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने मण्डल रेल प्रबन्धक से जनसमस्याओं के निस्तारण के लिए की भेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जेड0आर0यू0सी0सी0 सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार से लखनऊ कार्यालय में मिलकर गोरखपुर से नई दिल्ली वाया गोण्डा तक आवागमन हेतु वंदेभारत एवं राजधानी सुपरफास्ट ट्रेन का संचालन, कोरोना काल से बन्द गोण्डा से लखनऊ तक पैसेन्जर सवारी गाड़ी की शुरूआत किये जाने, मनकापुर से अयोध्या धाम तक आने–जाने वाली पैसेन्जर सवारी गाड़ी का संचालन गोण्डा तक किये जाने, प्रायः बंद एक्सलेटर (स्वचलित सीढ़ी) एवं लिफ्ट चलाये जाने, गोण्डा में निर्माणाधीन मेमोध्पैसेन्जर सवारी गाड़ी हेतु प्लेटफार्म एवं वाशिंग पिट लाइन के निर्माण को पूर्ण कराने सहित गोण्डा जंक्शन लोको शेड में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाते हुए असामाजिक तत्वों एवं बाहरी ठेकेदारों के आवागमन पर रोक लगाये जाने, रेलवे लोको शेड में विगत कई वर्षों से कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थानान्तरित किये जाने, पुराने पिट को तोड़कर इलेक्ट्रिक शेड के हिसाब से नई पिट बनाये जाने, रेलवे लोको शेड में सीनियर सेक्शन इंजीनियर, अवर अभियन्ता एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किये जाने एवं उनके द्वारा कर्मचारियों पर दबाव एवं शोषण रोके जाने, विगत दिनों गोण्डा लोको शेड में जल भराव से उतरे करेन्ट के चपेट में आने से रेल कर्मी की जान चली गयी सम्पूर्ण प्रकरण की मण्डलीय स्तरीय जांच कराये जाने, गोण्डा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर बुजुर्गों, दिव्यांगों की सुविधा हेतु बैट्री चलित रिक्शा संचालित किये जाने समेत कई बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव के साथ उमेश श्रीवास्तव, महेन्द्र कुमार, राजेश श्रीवास्तव, दानिश, देवेन्द्र गुप्ता, संजय कुमार, सुनील, अजय, रमन, जुगनू जायसवाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे। मण्डल रेल प्रबन्धक द्वारा उपरोक्त समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में आश्वस्त किया गया।

नकदी और जेबरात लेकर किशोरी अपने प्रेमी के साथ हुई फरार

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी घर से अपने साथ रू40000 की नकदी और जेवर लेकर प्रेमी के साथ फरार हो गई। किशोरी के पिता ने पाली थाने में एक व्यक्ति के विरुद्ध उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है । पाली थाना क्षेत्र के एक गाँव निवासी व्यक्ति ने मंगलवार को थाने में दी तहरीर में बताया कि 15 जुलाई को उसकी 15 वर्षीय पुत्री लेखराज पुत्र छोटे ग्राम अफतियापुर थाना जलालाबाद जिला शाहजहांपुर के साथ भाग गई। उसकी पुत्री अपने साथ चांदी की पायल और रू40000 की नकदी भी साथ ले गई उसने नाते रिश्तेदारी में अपनी पुत्री की काफी खोजबीन की पर उसका कोई सुराग नहीं लगा। प्रभारी निरीक्षक आलोक मणि त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ठेकेदार से जेई ने ली 40 हजार की घूस, एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ धर दबोचा

मेरठ, संवाददाता। मेरठ में एंटी करप्शन की टीम ने मंगलवार को आरइएस के जेई को कलेक्ट्रेट के गेट से 40 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। टीम उसे पकड़कर थाना सिविल लाइन ले गई हैं। इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मचा है। जानकारी के मुताबिक टीपी नगर निवासी पुनीत सिंघल ठेकेदार हैं। उसने बताया कि मेरठ–करनाल हाईवे पर रिठाली से छुर कालिंदी तक उन्हें सड़क के रखरखाव का ठेका मिला था। 31 मार्च 2024 को ठेका पूरा हो गया। उन्होंने पेमेंट के लिए अपनी फाइल विभाग में लगा दी। उनकी फाइल को विभाग में तैनात अवर अभियंता मयूर विहार निवासी ध ीरज कुमार देख रहे थे। कई चक्कर लगाने के बाद भी अवर अभियंता ने पुनीत की फाइल दबा कर रखी हुई थी। लगभग 5. 45 लाख रुपए का भुगतान विभाग को करना था। ठेकेदार पुनीत ने विभागीय अफसर से भी बात की लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

ओवरटेक की कोशिश में डीसीएम ने ट्रैक्टर–ट्राली में मारी टक्कर, एक की मौत

हरदोई, संवाददाता। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के कटरा–बिल्हौर मार्ग पर मंगलवार सुबह ओवरटेक करने के प्रयास में डीसीएम ने ट्रैक्टर–ट्रॉली में टक्कर मार दी। घटना में डीसीएम और ट्रैक्टर–ट्रॉली दोनों ही सड़क पर पलट गए, ट्रैक्टर में आग लग गई। इस दौरान ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। पाली थाना क्षेत्र के इनायतपुर गांव निवासी सुरेंद्र कुशवाहा (35) ट्रैक्टर चलाते थे। मंगलवार सुबह वह सबमर्सिबल पाइप लाइन का सामान ट्रॉली में भरकर ट्रैक्टर से जा रहे थे। उसके साथ पाली थाना क्षेत्र के कौसिया निवासी रावेंद्र कश्यप (60) भी थे। बिल्हौर कटरा मार्ग पर हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र में कटियारी डिग्री कॉलेज के पास रूपापुर से मूंगलफली भरकर कानपुर जा रही डीसीएम के चालक ने ओवर टेक करने के प्रयास में ट्रैक्टर–ट्रॉली में टक्कर मार दी। इस कारण दोनों वाहन खंती में गिर गए। इनके नीचे दबकर ट्रैक्टर चालक सुरेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। रावेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रैक्टर में आग भी लग गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाई। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने क्रेन मंगवाकर चालक का शव और घायल रावेंद्र को ट्रैक्टर के नीचे से निकलवाया। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मृतक के परिवार में पत्नी रजनी, पांच पुत्री और एक पुत्र है। हरपालपुर कोतवाल आनंद नारायण त्रिपाठी ने बताया कि डीसीएम पुलिस के कब्जे में है। चालक मौके से भाग गया। उसके बारे में जानकारी की जा रही है। परिजनों से तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

ढाई साल की बच्ची की हत्या

मेरठ, संवाददाता। मेरठ में ढाई साल की बच्ची की हत्या का मामला सामने आया है। मासूम की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। बच्ची की लाश शमशान में मिली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही एक युवक को हिरासत में भी लिया है। जानकारी के अनुसार, भावनपुर थाना इलाके के गांव दतावली में सोमवार की रात मामा की बरात में आई ढाई वर्षीय बच्ची निवासी गाजियाबाद सिहानी चुंगी का जयभीम नगर के पास बच्चा शमशान में शव मिलाहै। बच्ची के शरीर पर धारदार हथियार से वार करने के निशान मिले हैं। रात करीब 3:00 बजे सूचना पर पहुंची भावनपुर पुलिस ने शमशान के पास से बच्ची का शव बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मौके पर एसपी देहात सहित कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। वहीं पुलिस ने हत्या के मामले में एक युवक को हिरासत में लिया है।

रोडवेज बस से बांदा आते समय दो बहनों के जेवर गायब

बांदा, संवाददाता। भाई की शादी में बांदा से गईं दो महिलाओं के जेवर से भरे बैग रोडवेज बस से चोरी हो गए। दोनों बहनों ने अलग–अलग तहरीर देकर कोतवाली नगर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शहर कोतवाली क्षेत्र के मानस नगर निवासी अर्पणा यादव व गायत्रीनगर निवासी अर्चना यादव ने बताया कि उनके भाई की शादी 11 जुलाई को थी। वह शादी समारोह से फारिग होकर 13 जुलाई को महोबा से बांदा आने के लिए रोडवेज बस में सवार हुईं थी। रोडवेज बस में कंडक्टर ने उनके बैग ड्राइवर के पीछे वाली सीट में रखा दिए थे। व उनको बैठने के लिए तीन सीट छोड़कर जगह मिली थी। जब वह बांदा में उतरीं तो उनके बैग व सूटकेस के ताले टूटे हुए मिले। दोनों बहनों के सोने–चांदी के जेवर नदारद थे। दोनों बहनों ने कोतवाली नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई है। शहर कोतवाल पंकज सिंह ने बताया दोनों बहनों ने अलग–अलग तहरीर दी है। दोनों बहनों की एफआईआर दर्ज कर ली है। जांच की जा रही है।

डेढ़ साल की बच्ची से हैवानियत

फिरोजाबाद, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक युवक ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। युवक ने एक डेढ़ साल की बच्ची को चरी के खेत पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पास से गुजर रहे लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बच्ची बेहोश हालत में खेत पर पड़ी मिली। जिसे आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। नारखी थाना क्षेत्र के निवासी युवक ने एक डेढ़ साल की बच्ची को अपनी हैवानियत का शिकार बनाया। युवक मौका पाकर बच्ची को चरी के खेत पर ले गया। यहां उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर पास से गुजर लोगों ने जाकर देखा तो युवक वहां से भागने की फिराक में था। लोगों ने युवक को पकड़कर सूचना पुलिस को दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। वहीं बेहोश पड़ी बच्ची को मेडिकल कालेज के महिला अस्पताल में भर्ती कराया है। थाना प्रभारी बैजनाथ सिंह ने बताया है बच्ची को बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया है। युवक से पूछताछ की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम सचिवों ने नहीं दिया नोटिस का जवाब

शामली, संवाददाता। विकासखंड कैराना की 16 ग्राम पंचायतों में बिना टेंडर और कुटेशन के कार्य कराने के मामले में एक भी ग्राम सचिव ने दिए गए नोटिसों का जवाब नहीं दिया। अब विभागीय अधिकारी ग्राम सचिवों पर कार्रवाई की तैयारी में जुट गए हैं। चार साल पहले कोरोना काल के दौरान विकासखंड कैराना की 16 ग्राम पंचायतों में 94 विकास कार्य कराए गए थे। सभी विकास कार्यों में टेंडर व कुटेशन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। मामले की जांच उत्तर प्रदेश पंचायती राज विभाग द्वारा कराई गई तो विकासखंड कैराना व कांधला में 204 कार्यों के लिए मैसर्स उषा कंस्ट्रक्शन कंपनी को करीब चार करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया था। डीपीआरओ संदीप अग्रवाल का कहना है कि सभी सचिवों को नोटिस जारी करते हुए मामले में जवाब देने को कहा था। आज बैठकों में व्यस्त रहने के कारण नोटिस नहीं देख पाया। कल बताता हूं।

जिला अस्पताल में जगह जगह जमी मिली धूल

शामली, संवाददाता। सहारनपुर से आई मंडल स्तरीय दो सदस्यीय टीम ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में बेहतर साफ–सफाई नहीं मिलने पर सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने फार्मासिस्ट व स्वास्थ्य कर्मियों से मरीजों के उपचार व चिकित्सा संबंधी जानकारी ली। साथ ही जो कमियां पाई गईं, उनमें सुधार के तरीके भी बताए। सोमवार को जिला अस्पताल में सहारनपुर से डॉ. नवदीप गुप्ता और डॉ. मोहम्मद अर्शी दो सदस्यीय मंडल स्तरीय टीम पहुंची। टीम ने जिला अस्पताल की पैथोलोजी लैब, इमरजेंसी, लू वार्ड, सिटी स्कैन यूनिट, ओटी, वार्ड, दवा वितरण कक्ष, ओपीडी आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान लैब, इमरजेंसी और लू वार्ड समेत कई स्थानों पर ऊपरी सतह, खिड़कियों, एसी, अलमारियों पर धूल जमी पाई। इस पर टीम ने बेहतर साफ–सफाई करने के निर्देश दिए।

बैग में तमंचा रखवकर कचहरी पहुंचे युवक को पुलिस ने दबोचा

औरैया, संवाददाता। मंगलवार को कचहरी पहुंचे एक व्यक्ति को कोर्ट सुरक्षा कर्मचारियों ने चेकिंग के दौरान बैग में तमंचा निकलने पर दबोच लिया। साथ ही सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। कचहरी में मंगलवार दोपहर उस समय खलबली मच गई, जब न्यायालय परिसर में अंदर जाने के दौरान बैग टांग कर गेट नंबर दो पर पहुंचे एक युवक को वहां मौजूद सुरक्षा कर्मचारियों ने रोका। सुरक्षा कर्मचारियों ने युवक के पास मौजूद बैग लेकर उसकी चेकिंग की तो बैग में तमंचा रखा देख मौजूद सुरक्षा कर्मचारियों ने युवक को हिरासत में ले लिया। इसकी जानकारी फैलते ही काफी संख्या में अधिवक्ता मौके पर पहुंच गए। इस बीच न्यायालय सुरक्षा कर्मचारियों ने कोतवाली पुलिस को फोन से सूचना दी। कचहरी परिसर में हिरासत में मौजूद युवक ने पूछताछ में अपना नाम लाला निवासी सांफर बताया। पकड़े गए युवक ने बताया कि गलती से उसके बैग में तमंचा आ गया। हिरासत में मौजूद आरोपी से अभी तक मिली जानकारी में यह पता चला है कि वह गुजरात में रहकर नौकरी करता है। औरैया कोर्ट मैरिज करने के सिलसिले में वकील से मिलने आया था।

अब शहर में ही हो सकेगी ब्रेन ट्यूमर के फैलाव की जांच

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में ब्रेन ट्यूमर किस प्रकृति का है और किस गहराई तक मस्तिष्क में फैला है? इसकी जांच के लिए अब रोगियों को दिल्ली, मुंबई और लखनऊ नहीं जाना पड़ेगा। ब्रेन ट्यूमर के रोगियों की यह जांच जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग में ही हो जाएगी। इसके लिए विभाग में जल्दी ही उपकरण आएंगे। रोगियों की कैंसर मार्कर जांचें भी शुरू होंगी। अभी सिर्फ ब्रेस्ट कैंसर मार्कर जांच हो रही है। चार महीने में ये सुविधाएं मिलने लगेंगी। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि पैथोलॉजी विभाग में कई अत्याधुनिक उपकरण मंगाए जा रहे हैं। कुछ उपकरण आ भी गए हैं। पेंटा हेड उपकरण से एक साथ कई विशेषज्ञ जांच कर सकते हैं। इसे टीवी स्क्रीन से जोड़ दिया जाता है जिससे कई लोग साथ देख सकते हैं। इसके साथ ही दूर देश में बैठे विशेषज्ञ को रिपोर्ट भेजकर मशविरा भी लिया जा सकता है। पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि विभिन्न प्रकार के कैंसर मार्कर जांच भी होगी। अभी ये जांचें दूसरे शहरों में कराई जाती हैं। रिपोर्ट आने में 15–20 दिन लग जाते हैं। इससे क्लीनिशयन को डायग्नोसिस में देर लगती है। पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि ब्रेन ट्यूमर अलग–अलग किस्म के होते हैं। इनकी ग्रेडिंग करके स्थिति और फैलाव का भी पता लग जाएगा। ट्यूमर की बॉयोप्सी भी हो जाएगी।

खरीद प्रक्रिया पूरी होने के बाद आएंगे उपकरण

इससे रोगी के इलाज में आसानी होगी। इसी तहत गुर्दे की बीमारी भी पता चलेगी। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में गुर्दे में क्या–क्या बदलाव आए हैं। इसका भी पता लग जाएगा। अभी यह जांच मेडिकल कॉलेज में नहीं हो पाती। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव पास हो गया। उपकरण की खरीद के लिए प्रस्ताव पर्चेज विभाग में चले गए हैं। खरीद प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपकरण आएंगे और रोगियों की जांच होने लगेगी।

ग्रेडिंग से होता है सटीक इलाज

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के न्यूरो साइंसेस प्रमुख डॉ. मनीष सिंह का कहना है कि ब्रेन ट्यूमर की ग्रेडिंग हो जाने से रोगी सटीक इलाज मिल जाता है। इससे यह तय होता है कि सिर्फ सर्जरी से काम चल जाएगा या उसके साथ कीमोथैरेपी भी करनी होगी। उन्होंने बताया कि विभाग में ब्रेन ट्यूमर के औसत 20 रोगियों की सर्जरी हर महीने होती है। यहां 18 जिलों में कहीं और न्यूरो सेंटर नहीं है। इन जिलों के रोगी यहीं आते हैं। विभाग में ऑपरेट होने वाले रोगियों की ढाई से तीन महीने तक की वेटिंग है।

भाई ने बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के दौराला थानाक्षेत्र के रूहासा गांव में एक व्यक्ति ने अपनी बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। बताया गया कि बेची गई दो बीघा जमीन के 20 लाख रुपयों को लेकर भाई–बहन में विवाद हो गया। जिस पर भाई ने दीवान बेड पर लेटी बहन की गर्दन पर कुल्हाड़ी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। आरोपी भाई बहन को मौत के घाट उतारकर पत्नी संग भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंचे एसपी सिटी, सीओ दौराला ने परिजनों से जानकारी ली। रूहासा निवासी किसान महावीर(75) ने एक दिन पूर्व अपनी सात बीघा जमीन में से दो बीघा जमीन 20 लाख रुपये में बेची थी। इसी संबंध में किसान की बेटी रीटा(53) पत्नी बिल्लू उर्फ सुनील निवासी गांव दोघट कस्बा बड़ोत जिला बागपत वर्तमान निवासी महरौली वेव सिटी जिला गाजियाबाद सोमवार को रूहासा आई थी। जमीन के रुपयों को लेकर रीटा का छोटे भाई अरविंद उर्फ नीटू से विवाद हो गया। मंगलवार सुबह विवाद के चलते दोनों भाई बहनो में फिर से कहासुनी हो गई। इसके बाद अरविंद खेत पर चला गया। लगभग 10 बजे अरविंद स्कूटी पर सवार होकर घर पहुंचा और हाथ में घर में रखी कुल्हाड़ी उठाई और बेड पर लेटी बहन पर ताबातोड़ वार कर दिए और पत्नी संग फरार हो गया। परिजन तुरंत घायल महिला को लेकर चिकित्सक के पास पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद की। मौके पर पहुंचे एसपी सिटी आयुष विक्रम और सीओ दौराला सुचिता सिंह ने जानकारी ली।

गन्ने के खेत से मिला हिस्ट्रीशीटर का सड़ा गला शव, कई मुकदमे ये दर्ज

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर जनपद के गांव दंघेड़ा में सुबह एक गन्ने के खेत से एक हिस्ट्रीशीटर व्यक्ति का शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को गन्ने के खेत से बाहर निकाल कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सीओ देवबंद अशोक कुमार सिसोदिया ने बताया कि पुलिस को सुबह करीब 8 बजे सूचना मिली कि गांव दंघेड़ा में गांव के निकट एक गन्ने के खेत में एक व्यक्ति का सड़ा गला शव पड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को गन्ने के खेत से बाहर निकाला। पुलिस ने मौके पर एकत्र हुए ग्रामीणों से शव की पहचान कराई। मृतक की पहचान गांव दंघेड़ा निवासी सुनील त्यागी(60) पुत्र रामपाल त्यागी के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार मृतक सुनील नागल थाने का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है और उस पर कई मुकदमे दर्ज थे। ग्रामीण ने बताया कि सुनील अविवाहित था और कैंसर से पीड़ित था। करीब दो माह पहले उसकी मां केलावती की मृत्यु हो जाने के कारण वह मानसिक रूप से भी तनाव में आ गया था और घर से बाहर चला जाता था। बताया गया कि ह कई–कई दिन के बाद घर वापस आता था क्योंकि घर में उसका केवल छोटा भाई सुधीर रहता है। सीओ देवबंद ने बताया कि सुनील की मौत स्वाभिक लग रही है लेकिन पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

विजिलेंस पर लगे आरोपों की जांच करेगी गठित विशेष कमेटी

शामली, संवाददाता। ऊर्जा निगम की विजिलेंस टीम पर अवैध वसूली के लगे आरोपों की जांच के लिए फिर से विभागीय अधिकारियों ने विशेष कमेटी गठित की है। एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपनी है। गांव मंगलौरा, उदपुर के ग्रामीणां ने तत्कालीन अधीक्षण अभियंता नरेश कुमार से शिकायत की थी कि बीते माह उनके गांवों में विजिलेंस के कर्मचारी पहुंचे और वीडियो बनानी शुरू कर दी। विरोध करने पर एफआईआर दर्ज करने की धमकी दी गई। इसके बाद अवैध रूप से वसूली की गई। एसई ने मामले की जांच शुरू करा दी थी, मगर जांच के बावजूद कुछ नहीं हुआ। एसई ने बताया कि मामले की जांच अब एक्सईएन तृतीय के नेतृत्व में गठित टीम करेगी, जिसकी तैयारी कर ली है। अवैध रूप से वसूली करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

तीन माह बाद भी जांच पूरी नहीं

कुछ लोगों ने झिंझाना के जेई प्रेम पर अवैध रूप से कोल्हू और एक अन्य मामले में कनेक्शन देने का आरोप लगाया था। मामले की जांच एक्सईएन को सौंपी गई थी। तीन माह से अधिक का समय बीत चुका है, मगर अभी तक जांच पूरी नहीं हो सकी है। विभागीय अधिकारी जांच के नाम पर खानापूर्ति कर रहे हैं। एसई ने मामले की फिर से जांच कराने की बात कही है।

नवाब टैंक में उतराता मिला ई–रिक्शा चालक का शव

बांदा, संवाददाता। शहर के नवाब टैंक में ई–रिक्शा चालक का शव पानी में उतराता मिला। पुलिस व परिजन नशे में तालाब में गिरकर डूबकर मौत होने की आशंका जता रहे हैं। शहर कोतवाली क्षेत्र की कांशीराम कॉलोनी चूना भट्ठी निवासी कल्लू उर्फ रवि (20)–ई रिक्शा चलाता था। रविवार की देर शाम वह नवाब टैंक गया था। वहां पानी में डूब गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन तालाब में उसका पता नहीं चला। सोमवार की सुबह उसका शव पानी में उतराता मिला। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। शव के कपड़ों से बरामद सिम से पुलिस ने उसकी शिनाख्त कराकर परिजनों को सूचना दी।

मौके पर पहुंची मां गोमती ने बताया कि कल्लू के पिता स्व. चंद्रभान वर्मा का स्वर्गवास हो चुका है। वह ई रिक्शा चलाकर भरण पोषण करता था।

मां के बाद बेटे का विसरा सुरक्षित, पिता पर पत्नी और मासूम की हत्या का केस दर्ज

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में पिता पर मां की गला घोटकर हत्या करने का आरोप लगाने वाले बेटे को जहरीला पदार्थ खिलाकर मारने के आरोपी रिक्शा चालक पिता पर आखिरकार कल्याणपुर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने के बाद मृतक की नानी की तहरीर पर केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने पहले मां की मौत के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट को आधार बनाकर आरोपी को क्लीन चिट दे दी थी। मूलरूप से ककवन थानाक्षेत्र के सकरवां गांव निवासी रिक्शा चालक धर्मेंद्र कल्याणपुर के कश्यपनगर में पत्नी विनीता (28) व बेटे शनि (8) और चार साल की बेटी प्रीति के साथ रहता था। 11 जुलाई की रात संदिग्ध हालात में विनीता की मौत हो गई थी। बेटे शनि और बेटी प्रीति ने पिता पर ही मां को बेरहमी से पीटने और साड़ी से गला घोटकर हत्या का आरोप लगाया था। इसके बाद कल्याणपुर पुलिस ने धर्मेंद्र को हिरासत में भी ले लिया, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह साफ न होने पर उसे छोड़ दिया। साथ ही पुलिस के दखल की चलते ही शनिवार को वह कानपुर देहात के मैथा स्थित ससुराल गया और दोनों बच्चों

को अपने साथ ककवन स्थित अपने गांव ले गया। हालांकि देर रात दोनों बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें कल्याणपुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां शनि को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रीति की हालत गंभीर हो गई।

बिसरा को विस्तृत जांच के लिए भेजा जा रहा है

शनि की मौत की खबर मिलते ही आरोपी धर्मेंद्र फरार हो गया। सोमवार को शनि की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। हालांकि पुलिस ने शनि की नानी रामदुलारी की तहरीर पर धर्मेंद्र के खिलाफ विनीता और शनि की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने बताया कि आरोपी की तलाश में टीमें लगाई गई हैं। साथ ही बिसरा को विस्तृत जांच के लिए भेजा जा रहा है।

रिपोर्ट दर्ज करने में लग गया चौबीस घंटे का समय

विनीता की मौत के समय पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने व बिसरा सुरक्षित होने और तहरीर न मिलने का बहाना बनाकर रिपोर्ट दर्ज नहीं की। लेकिन रविवार को जब शनि की मौत के बाद नानी रामदुलारी ने धर्मेंद्र के खिलाफ तहरीर दी, तो पुलिस को उसपर केस दर्ज करने में चौबीस घंटे का समय लग गया। सोमवार शाम को पुलिस मामले में हत्या का केस दर्ज कर सकी।

तहरीर में रामदुलारी ने लगाए हैं ये आरोप

शनि की नानी रामदुलारी की ओर से दी गई तहरीर में धर्मेंद्र पर पत्नी व बेटे दोनों की हत्या का आरोप लगाया गया है। कहा गया है कि विनीता की हत्या के बाद पुलिस के दबाव में धर्मेंद्र से समझौता हो गया और वह बच्चों को अपने साथ घर ले गया। शनिवार रात करीब 9:30 बजे कल्याणपुर से वह ककवन स्थित अपने गांव जाते समय उसने बच्चों को जहरीला पदार्थ मिलाकर नमकीन व चाय पिलाई। इसी के बाद देर रात दोनों बच्चों की हालत बिगड़ गई और शनि की मौत हो गई।

फोरेंसिक लैब में खुलेगा मां–बेटे की मौत का राज

शनि और विनीता की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह साफ नहीं हो सकी। डॉक्टरों ने दोनों का विसरा जांच के लिए सुरक्षित रखा है। एसीपी कल्याणपुर अभिषेक कुमार पांडेय ने बताया कि दोनों का बिसरा जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा। इसकी रिपोर्ट आने पर ही मौत की सही कारण पता चल सकेगा और उसके आधार पर आगे की जांच की दिशा तय होगी।

पुलिस ने कराया था समझौता

रामदुलारी का आरोप है कि विनीता की हत्या के बाद पुलिस ने ही दबाव बनाकर धर्मेंद्र से ननिहाल पक्ष का समझौता कराया। साथ ही दोनों बच्चों को आरोपी को सौंपने की बात भी पुलिस के सामने ही तय हुई। पुलिस अगर दबाव न बनाती और विनीता की हत्या के मामले में ही धर्मेंद्र पर कार्रवाई कर लेती तो शनि जिंदा होता।

नाले की जगह पर मेडिकल कॉलेज की दीवार बनाने का आरोप

औरैया, संवाददाता। गांव चिचौली व धमसेनी के कुछ किसान मंगलवार को ककोर स्थित डीएम कार्यालय पहुंचे। जहां डीएम के जनता दर्शन में प्रार्थना पत्र देते हुए मेडिकल कॉलेज निर्माण में सरकारी नाले पर दीवार खड़ी कर देने का आरोप लगाया। कहा कि अब जलनिकासी व्यवस्था अवरुद्ध हो जाने से उनके खेतों में बारिश का पानी भरेगा। जिससे फसल नष्ट हो जाएगी। यहां शिकायत के बाद किसान मेडिकल कॉलेज भी पहुंचे। जहां दीवाल के पास खड़े होकर नाराजगी जताई। दीवार ढहाने की मांग भी की गई है। चिचौली व धमसेनी गांव निवासी विनोद कुमार, राजू, अशोक, ललित, राजेश ने डीएम को दिए शिकायती पत्र में बताया कि मेडिकल कॉलेज के दक्षिण व पूर्व दिशा में उनके खेत हैं। नए व पुराने अस्पताल के बीच में सरकारी नाला है। सरकारी अभिलेखों में 40 फीट का नाला दर्ज हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।